Quadrant II – Transcript and Related Materials

Programme: BA Hindi

Subject: AECC Hindi

Paper Code: HNA 101

Paper Title: Sampreshan Kaushal

Unit: 1

Module Name: Kriya ke Prakaar

Module No: 06

Name of the Presenter: Sweta Sattarkar

Notes

क्रिया के प्रकार

कर्म के आधार पर क्रिया के दो भेद हैं -

1. सकर्मक क्रिया
2. अकर्मक क्रिया

    और

रचना के आधार पर क्रिया के पाँच भेद हैं -

1. सामान्य क्रिया
2. संयुक्त क्रिया
3. नामधातु क्रिया
4. प्रेरणार्थक क्रिया
5. पूर्वकालिक क्रिया

सकर्मक क्रिया - जिस क्रिया में कर्म होता है उसे सकर्मक क्रिया कहते है। यहाँ कर्ता जो भी काम करता है, उसका फल या प्रभाव किसी अन्य पर या कर्म पर पड़ता है, वे सकर्मक क्रियाएँ कहलाती हैं।

उदाहरण -

1. गीता खाना पका रही है।

2. सना किताब पढ़ती है।

सकर्मक क्रिया के भेद:

(i) एककर्मक क्रिया
(ii) द्विकर्मक क्रिया

(i) एककर्मक क्रिया :-जिस सकर्मक क्रियाओं में केवल एक ही कर्म होता है, वे एककर्मक सकर्मक क्रिया कहलाती हैं।
जैसे- श्याम टीवी देख रहा है। यहाँ पर श्याम कर्ता है और क्रिया है देख रहा है और कर्म यहाँ पर एक ही है टीवी । अतः यह एककर्मक क्रिया हुई।

(ii) द्विकर्मक क्रिया :- द्विकर्मक अर्थात दो कर्मों से युक्त। जिन सकर्मक क्रियाओं में एक साथ दो-दो कर्म होते हैं, वे द्विकर्मक सकर्मक क्रिया कहलाते हैं।
जैसे- श्याम अपने दोस्तों के साथ टीवी देख रहा है। यहाँ पर श्याम कर्ता है।

देख रहा है क्रिया है। लेकिन इस वाक्य में दो कर्म हैं। एक है टीवी और दूसरा

दोस्त। तो यहाँ दो क्रियाएँ है इसलिए यह द्विकर्मक सकर्मक क्रिया है।

अकर्मक क्रिया

अकर्मक यानी कि बिना कर्म के । जिस क्रिया में कर्म नहीं होता, कर्म का अभाव होता है, उसे अकर्मक क्रिया कहते हैं। यहाँ कर्ता जो भी काम करता है, उसका फल, उसका प्रभाव किसी अन्य पर या कर्म पर न पड़कर स्वयं कर्ता पर पड़ता है, ऐसी क्रियाएँ अकर्मक क्रियाएँ कहलाती हैं।

उदाहरण

1. बच्चे खेल रहे हैं।
2. पक्षी उड़ते हैं।

रचना के आधार पर क्रिया के भेद

1. सामान्य क्रिया - जब वाक्य में केवल एक क्रिया का प्रयोग होता है वहां सामान्य क्रिया होती है।

- उदाहरण : i. तुम चलो।

    ii. मोहन पढ़ा।

इन वाक्यों में केवल एक ही क्रिया आयी है, इसलिए यह सामान्य क्रिया है।

2.संयुक्त क्रिया - जो क्रिया दो या दो से अधिक धातुओं के मेल से बनती है, उसे संयुक्त क्रिया कहते हैं। ये क्रियाएँ मिलकर किसी एक कार्य को ही पूरी करती हैं।

जैसे- i. बच्चा विद्यालय से लौट आया।

ii. किशोर रोने लगा।

3. नामधातु क्रियाक्रिया को छोड़कर दूसरे - अन्य शब्दों संज्ञा), सर्वनाम, एवं विशेषणसे जो धातु बनते है उन्हें नामधातु क्रिया कहते है। (

जैसे : i. लुटेरों ने जमीन हथिया ली।

ii. हमें गरीबों को अपनाना चाहिए।

4.प्रेरणार्थक क्रिया- जिन क्रियाओं से इस बात का बोध हो कि कर्ता स्वयं कार्य न कर किसी दूसरे को कार्य करने के लिए प्रेरित करता है, वे प्रेरणार्थक क्रिया कहलाती है।

जैसे : i. मैंने पत्र लिखवाया।

ii. अध्यापिका छात्र से पाठ पढ़वाती हैं।

5.पूर्वकालिक क्रियाजिस वाक्य में मुख्य क्रिया स - े पहले यदि कोई क्रिया हो जाए, तो वह पूर्वकालिक क्रिया कहलाती हैं।

जैसे- i. वह स्नान कर भोजन करता है।

ii. राधा खाकर स्कूल जाती है।